S 7 HISTORY

The scheme of examination will be as follows:

Scheme:

Maximum Marks 200		Minimum Pass Marks 72
Paper I	3 hrs. Duration	Marks 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks 100

Note: There shall be two papers in all in the subject of History, and each paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each paper shall consist of two parts. Part I shall carry 40 marks and shall consist of two compulsory questions. The first compulsory question will be of 20 marks, comprising of 10 very short answer type questions of two marks each. The answer to each question should not exceed 20 words.

The second compulsory question will be of 20 marks. It will comprise of 10 short answer type questions of 04 marks each, the candidate will be required to answer any 05 questions. The answer to each question should not exceed 50 words.

The second part of the question paper shall be divided into three sections comprising of 06 essay type questions, containing 02 questions from each section, of 20 marks each. Candidate will be required to answer 03 questions, selecting one question from each section. This part of the question paper shall be of 60 marks.

परीक्षा योजना :

अधिकतम अंक 200		न्यूनतम उत्तीर्णांक 72
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

नोट : इतिहास विषय के कुल दो प्रश्नपत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं 100 अंकों का होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्रथम भाग 40 अंको का होगा एवं इस भाग में दो अनिवार्य प्रश्न होंगे। 20 अंकों के प्रथम अनिवार्य प्रश्न में, दो–दो अंक के 10 अनिवार्य अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 20 शब्द।

20 अंकों के द्वितीय अनिवार्य प्रश्न में, चार–चार अंकों के 10 लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द।

प्रश्नपत्र के द्वितीय भाग मे, पाठ्यक्रम के तीन खण्डो में से, प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल 06 निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड मे से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्नपत्र का यह भाग 60 अंक का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

PAPER I : HISTORY OF MODERN INDIA (1761 - 1971 A. D)

Section – A

India in the mid-eighteenth century. Maratha confederacy, its strength and weakness – clash with the British and decline of the Marathas. Expansion and consolidation of the British rule – Bengal, Mysore, Awadh, Sind and Punjab – Subsidiary Alliance and Doctrine of Lapse. Establishment of Parliamentary control over East India Company – Regulating Act and Pitt's India Act. Land revenue settlements : permanent, ryotwari and mahalwari. Popular resistance to British rule : outbreak of 1857 – causes, nature and results.

Section – B

British policy after 1858 – development of British Paramountcy. Nature of colonial economy – commercialization of agriculture, decline of cottage industries, drain of wealth and India's poverty. Indian Renaissance, its nature and scope – Socio-religious reform movements – Brahma Samaj, Arya Samaj, Ramkrishna Mission. Indian Freedom Struggle –the first phase : Emergence of Indian Nationalism, Formation of the Indian National Congress – Moderates and Extremists - Gokhale and Tilak. Economic nationalism, Swadeshi Movement. Home Rule Movement. Beginning of Muslim communalism and the Muslim League.

Helpstudentpoint.com

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Section – C

Nationalism under Gandhi's leadership : Gandhi's ideology and methods - Non-cooperation, Civil Disobedience and Quit India Movements. Other strands in the National Movement : Revolutionaries, the Left (Socialists and Communists), Subhash Chandra Bose and the Indian National Army. Peasants', Workers' and Depressed Classes' Movements. Women in the National Movement. The Government of India Acts of 1909, 1919 and 1935. Communal politics and the Partition of India. Pogress and profile of Independent India (1947-1971) : Integration of States. Agrarian reforms, the concept of planned economy and industrialization. Foreign policy of independent India (1947-1971) - non-alignment and Panchsheel.

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का इतिहास (1761–1971 ईस्वी)

खण्ड – ब

अठारहवीं शताब्दी के मध्य में भारत। मराठा परिसंघ, इसकी शक्ति एवं दुर्बलता – अंग्रेज़ों से संघर्ष एवं मराठों का पतन। ब्रिटिश शासन का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण – बंगाल, मैसूर, अवध, सिन्ध एवं पंजाब – सहायक संधियां एवं विलय का सिद्धांत। ईस्ट इंडिया कम्पनी पर संसदीय नियंत्रण की स्थापना – रेग्यूलेटिंग एक्ट एवं पिट्स इंडिया एक्ट। भू–राजस्व बन्दोबस्त : स्थायी, रय्यतवाड़ी एवं महलवाड़ी। ब्रिटिश शासन के प्रति जन प्रतिरोध : 1857 का विप्लव – कारण, प्रकृति एवं परिणाम।

खण्ड – स

1858 के बाद ब्रिटिश नीति – ब्रिटिश सर्वोपरिता का विकास। औपनिवेशक अर्थव्यवस्था का स्वरूप - कृषि का व्यावसायीकरण, कुटीर उद्योगों का पतन, धन का निष्कासन एवं भारत की निर्धनता। भारतीय पुनर्जागरण : इसकी प्रकृति एवं क्षेत्र – सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलन – ब्रह्म समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन। भारत का स्वाधीनता संग्राम – प्रथम चरण : भारतीय राष्ट्रवाद का उदय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – नरमपंथी एवं उग्रपंथी – गोखले एवं तिलक। आर्थिक राष्ट्रवाद, स्वदेशी आंदोलन। होम रूल आंदोलन। मुस्लिम सांप्रदायिकता का उदय एवं मुस्लिम लीग।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

HelpStudentPoint.com

खण्ड – ग

गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रवाद : गांधी की विचारधारा एवं पद्धतियाँ – असहयोग, सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो आंदोलन। राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य धाराएं : क्रांतिकारी, वामपंथी (समाजवादी एवं साम्यवादी), सुभाष चंद्र बोस एवं इंडियन नेशनल आर्मी। कृषकों, मजदूरों एवं दलित वर्गों के आंदोलन। राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाएं। वर्ष 1909, 1919 एवं 1935 के भारत सरकार अधिनियम। साम्प्रदायिक राजनीति एवं भारत का विभाजन। स्वतंत्र भारत (1947–1971) की प्रगति एवं परिदृश्य : राज्यों का एकीकरण, कृषिपरक सुधार, नियोजित अर्थव्यवस्था की अवधारणा एवं औद्योगिकीकरण। स्वतंत्र भारत की विदेश नीति (1947–1971) – गुट निरपेक्षता एवं पंचशील।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें) :

Bisheshwar Prasad	:	*Bondage and Freedom, Vol. I and Vol. II*
C. A. Bayly	:	*Indian Society and the Making of the British Empire*, Cambridge University Press, 1987.
Sumit Sarkar	:	*Modern India, 1885-1947*, Delhi, 1995 (also in Hindi)
Bipan Chandra	:	*Nationalism and Colonialism in Modern India*, Delhi, 1981
A. R. Desai	:	*Peasant Struggles in India*, Delhi, 1979
Kenneth Jones	:	*Social and Religious Reform Movement in Modern India*, New Cambridge History, 1989
Ravindra Kumar (ed.)	:	*Social History of Modern India*, Delhi, 1983
Anil Seal	:	*Emergence of Indian Nationalism*, Cambridge University Press, 1971
Ranjit Guha & Gayatri C. Spivak (ed.)	:	*Selected Subaltern Studies*, Delhi, 1988
J. Krishnamurti (ed.)	:	*Women in Colonial India*, Oxford University Press, 1989
एम.एस.जैन	:	*आधुनिक भारत का इतिहास*
सुमित सरकार	:	*आधुनिक भारत : 1885- 1947* (अनुवाद)
जगन्नाथ प्रसाद मिश्र	:	*आधुनिक भारत का इतिहास*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
बिपिन चन्द्र एवं अन्य	:	*भारत का स्वतंत्रता संग्राम*, दिल्ली, 1998
	:	*आजादी के बाद का भारत (1947 2000)*, दिल्ली, 2004
आर.एल. शुक्ल (सं.)	:	*आधुनिक भारत का इतिहास*, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Helpstudentpoint.com

PAPER II : HISTORY OF MODERN WORLD (1500 - 2000 A.D)

Section - A

Renaissance and the beginning of the modern era. Reformation and Counter-Reformation. Economic changes - Feudalism to Capitalism. The American Revolution – causes, nature and consequences. The French Revolution – causes, main events, and impact. Evaluation of Napoleon Bonaparte. Industrial Revolution – causes, processes and impact.

Section – B

Rise of Nationalism in the 19th century. National unification of Germany and Italy. Age of conservatism and Revolutions of 1830 and 1848 in Europe. Growth of Imperialism and Colonialism – exploitation of New World with special reference to countries of Asia and Africa. Eastern question and its complexities for Europe. Nature of European Imperialism in China. Revolution of 1911 in China – principles of Sun-yat-sen. Modernisation of Japan in the 19th century. First World War – causes and consequences. League of Nations.

Section – C

The Russian Revolution of 1917. The Great Economic Depression and Recovery. Fascism in Italy and Nazism in Germany. Second World War. United Nations Organisation - objectives, achievements, limitations. The Chinese Revolution of 1949. Cold War. Emergence of Third World and Non-Alignment. Arab World (Egypt), South-East Asia (Vietnam), Africa – Apartheid to Democracy. Soviet Disintegration and the Unipolar World. Globalisation and its impact.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Helpstudentpoint.com

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक विश्व का इतिहास (1500–2000 ईसवी)

खण्ड – क

पुनर्जागरण एवं आधुनिक युग का प्रारंभ। धर्मसुधार आंदोलन एवं प्रति–धर्मसुधार आंदोलन। आर्थिक परिवर्तन – सामंतवाद से पूंजीवाद। अमेरिका की क्रांति – कारण, प्रकृति एवं परिणाम। फ्रांस की क्रांति – कारण, मुख्य घटनाएं एवं प्रभाव। नेपोलियन बोनापार्ट का मूल्यांकन। औद्योगिक क्रांति – कारण, प्रक्रियाएँ एवं प्रभाव।

खण्ड – ख

19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय। जर्मनी एवं इटली का राष्ट्रीय एकीकरण। रूढ़िवादिता का युग एवं यूरोप में 1830 एवं 1848 की क्रांतियाँ। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विकास – नव विश्व का शोषण, एशिया एवं अफ्रीका के देशों के विशेष संदर्भ में। पूर्वी समस्या एवं यूरोप के लिए उसकी जटिलताएँ। चीन में यूरोपीय साम्राज्यवाद की प्रकृति। चीन में 1911 की क्रांति – सन यात सेन के सिद्धांत। 19वीं शताब्दी में जापान का आधुनिकीकरण। प्रथम विश्व युद्ध – कारण एवं परिणाम। राष्ट्रसंघ।

खण्ड – ग

1917 की रूसी क्रांति। आर्थिक महामंदी एवं समाधान। इटली में फासीवाद एवं जर्मनी में नाजीवाद। द्वितीय विश्व–युद्ध। संयुक्त राष्ट्र संघ – उद्देश्य, उपलब्धियाँ, सीमाएं। 1949 की चीनी क्रांति। शीत–युद्ध। तृतीय विश्व का अभ्युदय एवं गुट–निरपेक्षता। अरब विश्व (मिस्र), दक्षिण–पूर्व एशिया (वियतनाम), अफ्रीका – रंगभेद से लोकतंत्र की ओर। सोवियत विघटन एवं एकध्रुवीय विश्व। भूमण्डलीकरण एवं उसका प्रभाव।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें):

A. G. Dickens : *The Age of Humanism and Reformation*, New Jersey, 1972
Christopher Hill : *From Reformation to Industrial Revolution*, Penguin, 1970
H. B. Parks : *The United States of America – A History*, Indian Reprint, Calcutta, 1976
Georges Lefebvre : *Coming of the French Revolution*, Princeton, 1989
C. D. Hazen : *Modern Europe to 1945*, Indian Reprint, Delhi, 1977
David Thomson : *Europe since Napoleon*, Penguin, 1966
George Vernadsky : *A History of Russia*, 1961
Harold M. Vinacke : *A History of the Far East in Modern Times*, Indian Reprint, Ludhiana

Helpstudentpoint.com

A. J. P. Taylor — *The Origins of the Second World War*

H. A. Davies : *Outline History of the World*, 1968

J. E. Swain : *A History of World Civilisation*, Indian Reprint, New Delhi, 1994

Louis L. Synder : *The Making of Modern Man*, Princeton, 1967

बनारसी प्रसाद सक्सेना : *अमेरिका का इतिहास*, पटना, 1972

सी.डी. हेजन : *आधुनिक यूरोप का इतिहास* (अनुवाद), आगरा

देवेन्द्र सिंह चौहान : *यूरोप का इतिहास (1815–1919)*, भोपाल, 1995

जॉर्ज वर्नादस्की : *रूस का इतिहास* (अनुवाद), भोपाल, 1971

हेराल्ड एम. विनाके : *पूर्व एशिया का आधुनिक इतिहास* (अनुवाद), लखनऊ, 1962

एस.पी. पांथरी : *पूर्व एशिया का संक्षिप्त इतिहास, खण्ड I (19वीं शताब्दी) एवं खण्ड II (20 वीं शताब्दी)*, लखनऊ, 1973 एवं 1974

के.के. कौल : *पश्चिमी एशिया का आधुनिक इतिहास* : 1808–1973, लखनऊ, 1977

पार्थसारथि गुप्ता : *यूरोप का इतिहास*, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

Helpstudentpoint.com